Anjuman Khairul Islam's
POONA COLLEGE OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE
1970 - 2020
• Affiliated to Savitribai Phule Pune University: ID No PU/PN/ASC/023/1970
• Junior College Index No: J-11.15.004
• Government of Maharashtra and Savitribai Phule Pune University Recognized Minority Institute
• UGC - 2(f) & 12 (B) Status • NAAC Re-accreditated College • DST - FIST Funded College
K. B. Hidayatullah Road, Camp, Pune - 411001. (MS), India
+91-20-2645 4240 / 2644 6319.
www.poonacollege.edu.in
principal@poonacollege.edu.in
Professor (Dr.) Aftab Anwar Shaikh
M.Com, Ph.D (Busi. Admin.)
PRINCIPAL
+91 98226 21579
dranwarshaikh@gmail.com

CRITERION- III	
KEY INDICATOR	3.3 Research Publication and Awards
METRIC NO.	3.3.3

- **Number of books and chapters in edited volumes/books published and papers published in national/ international conference proceedings per teacher during last five years**

COVER AND TITLE PAGES OF BOOKS AND PROCEEDINGS DURING THE CALENDAR YEAR

2018

The Contribution of Some Great Scholars of Maharashtra to the Development of Arabic Language & Islamic Studies

Author

Moinuddin Khan Flahi

Associate Prof. & Head
Dept. of Urdu, Arabic & Persian
Poona College, Pune

Publisher

Idea Publishing

Block-9b, Transit Flats, Hudco Place Extension
Near Andrews Ganj, New Delhi
Zip code : 110049
www.ideapublishing.in
ISBN No.: 978-93-86518-93-4

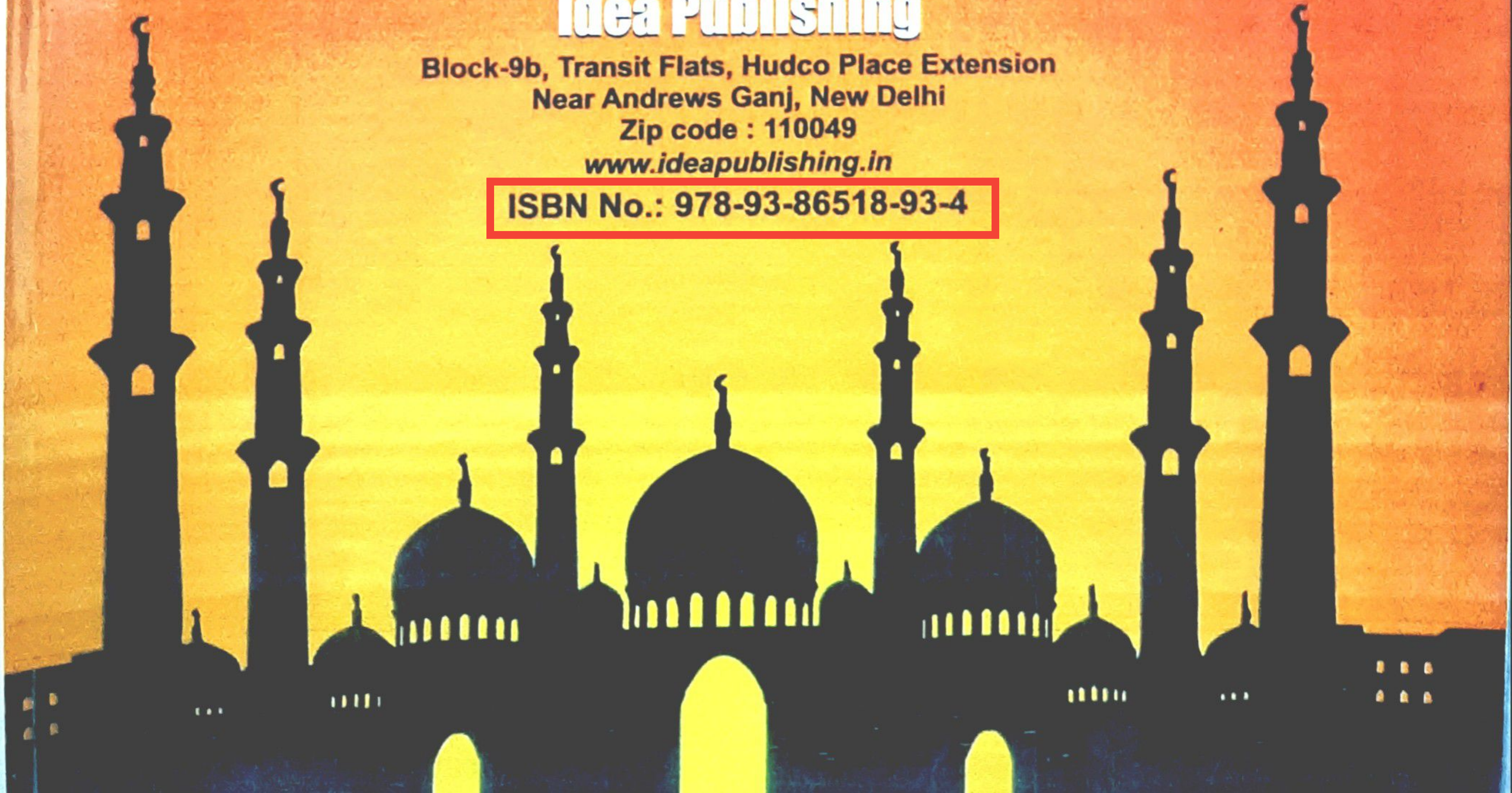

اسم الكتاب	-	مساهمة نخبة من علماء مهاراشترا في تطوير اللغة العربية والعلوم الاسلامية۔
اسم المصنف	-	معين الدين خان فلاحي
عام الطبع	-	۲۰۱۸ء
الناشر	-	آيديا پبليشينگ بلوك ۹-بي، ترانزت فليتس، مد كوبليس ايكستينشن بجوار اندريوز كنج، نيو دلهي زب كود- ۱۱۰۰۴۹

Name of the Book	:	The Contribution of Some Great Scholars of Maharashtra to The Development of Arabic Language & Islamic Studies
Name of the author	:	Moinuddin Khan Falahi
Year of Publishing	:	2018
Publisher	:	Idea Publishing, New Delhi
ISBN	:	978-93-86518-93-4
Price	:	Rs. 150/-

اخی الشاب کیف تواجه الشہوۃ ؟

پاک دامنی

کیوں اور کیسے ؟

تالیف :

محمد بن عبداللہ الدویش

ترجمہ :

مولانا عزیز الحق عمری حفظہ اللہ

ایم ۔ اے (علیگ)

تقدیم و تنقیح

جاوید اختر اثری

اسسٹنٹ پروفیسر، پونہ کالج، کیمپ، پونے

شائع کردہ

امت فاؤنڈیشن، کیمپ، پونے، مہاراشٹر

نام کتاب : پاک دامنی کیوں اور کیسے؟ (اخی الشاب کیف تواجه الشهوة)

تالیف : محمد بن عبداللہ الدویش

ترجمہ : مولانا عزیز الحق عمری حفظہ اللہ

تقدیم و تنقیح : جاوید اختر اثری

سال اشاعت : اگست ۲۰۱۸ء

ناشر: امت فاؤنڈیشن، کیمپ، پونے، مہاراشٹر

کمپوزنگ : افسانہ کمپیوٹر، چاند پورہ، غلہ منڈی، مئوناتھ بھنجن

Name of The Book : Paak Damani Kyun Aur Kaise ?

Editor : Jawed Akhtar

Year of Edition : 2018

ISBN No. : 978-93-84036-40-9

تقسیم کار

Distributor.

ALHUDA PUBLICATIONS

2982, Kucha Neel Kanth, Daryaganj. New Delhi-2

Tel : 011 43259013, Mobile: 08459026205

e-mail : alhudapublications@yahoo.com

Publishing-in-support-of,

IDEA PUBLISHING

Block- 9b, Transit Flats, Hudco Place Extension

Near Andrews Ganj, New Delhi

Zipcode : 110049

Website: ***www.ideapublishing.in***

© Copyright, Author

All rights reserved. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form by any means, electronic, mechanical, magnetic, optical, chemical, manual, photocopying, recording or otherwise, without the prior written consent of its writer.

ISBN: 978-93-86518-87-3

Price: ₹ 540.00

Publishing Year: 2018

The opinions/ contents expressed in this book are solely of the author and do not represent the opinions/ standings/ thoughts of idea publishing.

Printed in India

Enriching Advanced ESL Learner's Vocabulary

Dr. Shirin R. Shaikh

IDEA PUBLISHING
WWW.ideapublishing.in

हिन्दी प्रवासी कथा साहित्य
(भाग-1)

संपादक
डॉ॰ कल्पना गवली

माया प्रकाशन
कानपुर-208021

ISBN : 978-93-87941-13-7

पुस्तक	:	हिन्दी प्रवासी कथा साहित्य (भाग-1)
संपादक	:	डॉ॰ कल्पना गवली
स्वत्वाधिकार	:	संपादक
प्रकाशक	:	माया प्रकाशन 6A/540, आवास विकास हंसपुरम् कानपुर-208 021 Mo. : 09451877266, 07618879266
E- mail	:	mayaprakashankanpur@gmail.com
संस्करण	:	प्रथम 2018
मूल्य	:	750.00
शब्द सज्जा	:	विष्णु ग्राफिक्स नौबस्ता, कानपुर
मुद्रक	:	ट्राइडेन्ट प्रेस, दिल्ली

Hindi Pravasi Katha Sahitya (Part - 1)

Edited by : Dr. Kalpana Gavli

Price : Rs. Seven Hundred Fifty Only.

10. दलित गिरमिटिया और लाल पसीना - अभिमन्यु अनत 79 - 85
शिवप्रसाद शुक्ल

11. भारतीय प्रवासी साहित्य का महात्म्य 86 - 92
प्राचार्य, डॉ. बापूराव देसाई

12. राज हीरामन कृत 'कथा संवाद' की समीक्षा 93 - 97
सुमित कुमार

13. मॉरीशसीय हिंदी रंगमंच (1834-2015) एक सिंहावलोकन 98 - 105
श्री राज हीरामन

14. अभिमन्यु अनत के उपन्यासों में अभिव्यक्त भारतीय संस्कृति 106 - 110
विवेक कुमार

15. रामदेव धुरंधर की गद्य-क्षणिका साहित्य में नवतर प्रयोग 111 - 113
प्रो. डा. कल्पना गवली

16. प्रवासी हिन्दी साहित्य और डॉ. सुधा ओम ढींगरा 114 - 117
डॉ. अनु मेहता

17. तेजेंद्र शर्मा की कहानियों में स्त्रीवादी चिंतन 118 - 123
अनामिका यादव

18. प्रवासी साहित्यकार उषा प्रियंवदा 124 - 130
डॉ. माया प्रकाश पाण्डेय

19. भारतवंशियों का आईना : छिन्नमूल 131 - 135
प्रो. डा. कल्पना गवली

20. "हिन्दी प्रवासी साहित्य और पत्रकारिता की भूमिका" 136 - 141
प्रो. विनीता जयशिव शर्मा

21. प्रवासी भारतीय साहित्य में व्यक्त सम्वेदना के निराले पहलुओं की समीक्षा 142 - 150
प्रो. श्री रतनसिंह माधवसिंह चौहान

22. जगमोहन कौर की कहानी 'यथार्थ' में प्रवासियों की पीड़ा 151 - 153
डॉ. शेख मोहम्मद शाकिर

23. प्रवासी भारतीय साहित्यकार - डॉ. तेजेंद्र शर्मा की ''तरकीब'' कहानी में व्यक्त संवेदना 154 - 157
डॉ. शेख बाबासाहेब रसूल

24. भानुमती नागदान की कहानियों में प्रवासी भारतीय समाज के विविध आयाम 158 - 160
डॉ. मनीषा ठक्कर

25. रामदेव धुरन्धर के लघुकथाओं में सामाजिक संघर्ष 161 - 164
मिथिलेश कुमार मिश्र

26. सुषम बेदी के उपन्यासों में प्रवासी भारती 165 - 168
गणेश तारा चंद खैरे

27. अभिमन्यु अनत का उपन्यास 'लाल पसीना' में मानव अधिकारों का संघर्ष 169 - 172
वीरेन्द्र कुमार सिंह

28. संस्कृति की यथार्थ की ध्वजवाहक : डॉ. कादम्बरी मेहरा 173 - 176
विनोद कुमार शुक्ल

29. मॉरीशस के लोक जीवन में भारतीय संस्कृति और पर्व 177 - 181
सायमा अकरब साबिर खान

30. प्रवासी साहित्यकार कादम्बरी मेहरा की कहानियों में पारिवारिक एवं सामाजिक समस्याएँ 182 - 187
पिनल पढियार

31. जीवन संघर्ष की कथा : 'जाने-अनजाने' 188 - 193
संगम कुमार वर्मा

32. डॉ. अंजना संधीर : एक उद्देश्यपूर्ण जीवन लेखन 194 - 199
डॉ. रानू मुखर्जी

33. प्रवासी हिंदी लेखन की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ 200 - 203
नागेन्द्र कुमार शर्मा

34. प्रवासी कथा साहित्य में अभिमन्यु अनत कृत 'एक उम्मीद और' 204 - 208
क्षेत्र सिंह

22

जगमोहन कौर की कहानी 'यथार्थ' में प्रवासियों की पीडा

हिंदी साहित्य में आज कल प्रवासी साहित्य एवं प्रवासी साहित्यकारों को एक विमर्श के रुप में देखा जा रहा हैं। प्रवासी भारतीय साहित्यकारों की हिंदी सेवा अपना एक विशेष महत्व रखती हैं। प्रवासी साहित्यकारों ने न केवल हिंदी साहित्य का सृजन किया बल्कि हिंदी भाषा को भी दुनिया में फैलाया हैं। दो कारणों से भारतीय विदेश में प्रवासी के रुप में निवास कर रहे हैं। सर्वप्रथम वे लोग जो गिरमिटिए मजदूर के रुप में मॉरीशस, फ़िजी, सूरीनाम आदि देशों में गए। दूसरे वे लोग जो अपनी मर्ज़ी से नौकरी या व्यवसाय के लिए विदेशों में जा बसे।

जगमोहन कौर ने आबूधाबी लगभग २५ वर्ष हिंदी की सेवा की है। उनका जन्म मेरठ के एक सैनिक परिवार में २६ जुलाई को हुआ। पंजाब विश्वविद्यालय से थिएटर में एम. ए. करने के बाद वे नाटकों से जुड़ी रही। ''मंच से लेकर साहित्य तक उनकी गतिविधियों का विस्तृत दारा हैं उन्होंने दुनिया और समाज को बहुत नजदीक से देखा परखा है। अपने अनुभव को वे 'कहानियों के माध्यम से व्यक्त करती रही है। उनकी कहानियाँ हंस, वागर्थ, वर्तमान साहित्य, आजकल, नया ज्ञानोदय जैसी राष्ट्रीय स्तर की पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित चर्चित हुई।'' (शर्त है सफर के फ्लैप से साभार)

'शर्त है सफर' जगमोहन कौर का प्रथम कहानी संग्रह है। इस संग्रह में ''पंद्रह कहानियाँ संकलित की गयी हैं, जिनमें समकालीन यथार्थ का सही और व्यापक चित्रण है। उनकी कहानियाँ हमारे आस पास जीते जागते मनुष्य और समाज की कहानियाँ हैं। इन कहानियों में जीवन के अनुभव हैं जिनसे प्रायः हमारा सामना होता हैं। वह अपनी कहानियों में नए या चाओंकाने वाले कथन का ताना बाना नहीं बुनती, बल्कि जाने पहचाने और अभ्यस्त अनुभवों, परिस्थितियों और घटनाओं के सहारे ही अपनी कहानी को इस सादगी और संतुलन से आगे बढ़ाती हैं कि वह नयी लगती हैं और पाठकों के मन में अनेक प्रश्न खड़े कर देती हैं। जगमोहन कौर की कहानियाँ हमारी

हिन्दी प्रवासी कथा साहित्य

(भाग-1)

संपादक

डॉ॰ कल्पना गवली

माया प्रकाशन

कानपुर-208021

ISBN : 978-93-87941-13-7

पुस्तक : हिन्दी प्रवासी कथा साहित्य (भाग-1)

संपादक : डॉ॰ कल्पना गवली

स्वत्वाधिकार : संपादक

प्रकाशक : माया प्रकाशन
6A/540, आवास विकास
हंसपुरम् कानपुर-208 021
Mo. : 09451877266, 07618879266

E- mail : mayaprakashankanpur@gmail.com

संस्करण : प्रथम 2018

मूल्य : 750.00

शब्द सज्जा : विष्णु ग्राफिक्स
नौबस्ता, कानपुर

मुद्रक : ट्राइडेन्ट प्रेस, दिल्ली

Hindi Pravasi Katha Sahitya (Part - 1)

Edited by : Dr. Kalpana Gavli

Price : Rs. Seven Hundred Fifty Only.

10. दलित गिरमिटिया और लाल पसीना - अभिमन्यु अनत 79 - 85
शिवप्रसाद शुक्ल

11. भारतीय प्रवासी साहित्य का महात्म्य 86 - 92
प्राचार्य, डॉ. बापूराव देसाई

12. राज हीरामन कृत 'कथा संवाद' की समीक्षा 93 - 97
सुमित कुमार

13. मॉरीशसीय हिंदी रंगमंच(1834-2015) एक सिंहावलोकन 98 - 105
श्री राज हीरामन

14. अभिमन्यु अनत के उपन्यासों में अभिव्यक्त भारतीय संस्कृति 106 - 110
विवेक कुमार

15. रामदेव धुरंधर की गद्य-क्षणिका साहित्य में नवतर प्रयोग 111 - 113
प्रो. डा. कल्पना गवली

16. प्रवासी हिन्दी साहित्य और डॉ. सुधा ओम ढींगरा 114 - 117
डॉ. अनु मेहता

17. तेजेंद्र शर्मा की कहानियों में स्त्रीवादी चिंतन 118 - 123
अनामिका यादव

18. प्रवासी साहित्यकार उषा प्रियंवदा 124 - 130
डॉ. माया प्रकाश पाण्डेय

19. भारतवंशियों का आईना : छिन्नमूल 131 - 135
प्रो. डा. कल्पना गवली

20. "हिन्दी प्रवासी साहित्य और पत्रकारिता की भूमिका" 136 - 141
प्रो. विनीता जयशिव शर्मा

21. प्रवासी भारतीय साहित्य में व्यक्त सम्वेदना के निराले पहलुओं की समीक्षा 142 - 150
प्रो. श्री रतनसिंह माधवसिंह चौहान

22. जगमोहन कौर की कहानी 'यथार्थ' में प्रवासियों की पीड़ा 151 - 153
डॉ. शेख मोहम्मद शाकिर

23. प्रवासी भारतीय साहित्यकार - डॉ. तेजेंद्र शर्मा की ''तरकीब'' कहानी में व्यक्त संवेदना 154 - 157
डॉ. शेख बाबासाहेबरसूल

24. भानुमती नागदान की कहानियों में प्रवासी भारतीय समाज के विविध आयाम 158 - 160
डॉ. मनीषा ठक्कर

25. रामदेव धुरन्धर के लघुकथाओं में सामाजिक संघर्ष 161 - 164
मिथिलेश कुमार मिश्र

26. सुषम बेदी के उपन्यासों में प्रवासी भारती 165 - 168
गणेश तारा चंद खैरे

27. अभिमन्यु अनत का उपन्यास 'लाल पसीना' में मानव अधिकारों का संघर्ष 169 - 172
वीरेन्द्र कुमार सिंह

28. संस्कृति की यथार्थ की ध्वजवाहक : डॉ. कादम्बरी मेहरा 173 - 176
विनोद कुमार शुक्ल

29. मॉरीशस के लोक जीवन में भारतीय संस्कृति और पर्व 177 - 181
सायमा अकरब साबिर खान

30. प्रवासी साहित्यकार कादम्बरी मेहरा की कहानियों में पारिवारिक एवं सामाजिक समस्याएँ 182 - 187
पिनल पढियार

31. जीवन संघर्ष की कथा : 'जाने-अनजाने' 188 - 193
संगम कुमार वर्मा

32. डॉ. अंजना संधीर : एक उद्देश्यपूर्ण जीवन लेखन 194 - 199
डॉ. रानू मुखर्जी

33. प्रवासी हिंदी लेखन की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ 200 - 203
नागेन्द्र कुमार शर्मा

34. प्रवासी कथा साहित्य में अभिमन्यु अनत कृत 'एक उम्मीद और' 204 - 208
क्षेत्र सिंह

23

प्रवासी भारतीय साहित्यकार – डॉ. तेजेंद्र शर्मा की ''तरकीब'' कहानी में व्यक्त संवेदना

प्रवासी साहित्य जड़ो से बिछुड़कर नयी राह बनाने वालों का साहित्य है। दुर्भाग्य का विषय है कि हिंदी साहित्य में अभी तक इनके योगदान का उचित मूल्यांकन नहीं किया गया है। आजादी मिलने के बाद एक बड़ा तबका अमेरिका, ब्रिटन, फ्रॉस, कनाड़ा, आस्ट्रेलिया, जर्मनी, हंगेरी, मलेशिया, रुस, स्वीडन, नार्वे आबू धाबी, न्यूजीलैंड, अर्जेण्टीना आदि देशों में प्रायः उच्च शिक्षा के लिए गया जिनमें कुछ लौटे तो कुछ वही जाकर बस गए। एक अनुमान के मुताबिक लगभग अस्सी देशों में लगभग चार करोड़ भारतवंशी निवास कर रहे हैं और उन देशों में हिंदी के प्रचार प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

प्रवास की परिभाषा संबंधी सामग्री भिन्न–भिन्न शब्द कोषों में से प्राप्त होती है। इसके संबंध में वासी, अप्रवासी, प्रवासी, विदेशी और एन. आर. आई आदि शब्दों की चर्चा मिलती है।

–'प्रवास' शब्द का अर्थ है – जब प्रवासी विदेशी गमन, विदेश यात्रा, घर पर ना रहना। किसी दूसरे देश या बेगानी धरती पर वास करनेवाला व्यक्ति प्रवासी है।"[१] प्रवासी – वह है जो किसी ओर धरती का वासी है, परंतु संबंधित धरती पर किसी तलाश में आया है। इनका लौटना निश्चित होता है। मिट्टी का मोह समय समय पर उन्हें भारत खींच लाता है। ऐसे महान विद्वान (साहित्यकार) तेजेंद्र शर्मा के कहानी में व्यक्त संवेदना के विविध आयाम को हम देखेंगे।

तेजेंद्र शर्मा का जन्म २१ अक्टूबर १९५२ (जगरावॉ–पंजाब) भारत में हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय से एम. ए. (अंग्रेजी) तथा कम्प्यूटर में डिप्लोमा किया। इनके चार कहानी संग्रह हिंदी में तथा दो कृतियाँ अंग्रेजी में प्रकाशित है। समकालीन कथा साहित्य में तेजेंद्र शर्मा एक चर्चित नाम है। तेजेंद्र शर्मा की कहानियाँ उनके सजग साहित्यकार होने का प्रमाण है। वे परिवेश पात्र चुन लेते हैं, जो पन्नों की पर उनकी लड़ाई लड़ते हैं। विषय वैविध्य और विषयों की सामायिकता तेजेंद्र शर्मा की कहानियों